एक नजर में

बदमाशों पर पुलिस का शिकंजा, 568 पर कार्रवाई

इंदौर. शहर में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस ने बीती रात बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया. कमिश्नर के निर्देश पर चारों जोनों में एक साथ की गई कॉम्बिंग गश्त और चौक निरीक्षण के दौरान पुलिस ने 1338 संदिग्ध बदमाशों को चेक किया, जिनमें से 568 के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई. इनमें वारंट तामील से लेकर समन, मोटर व्हीकल एक्ट और बीएनएसएस की धाराओं में प्रकरण शामिल हैं. पुलिस की इस कार्रवाई में वांछित आरोपियों पर ताबड़तोड़ वारंट तामील कराए गए. इनमें 85 स्थायी, 91 गिरफ्तारी और 104 जमानती वारंटों के साथ 124 समन भी शामिल हैं. इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 8 व्यक्तियों पर प्रकरण दर्ज किए है. शहर की सड़कों पर नशे में वाहन चलाने वालों पर पुलिस ने सख्ती दिखाई. 194 वाहन चालकों को पकड़ा गया और 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान किए. कॉम्बिंग गश्त के दौरान 86 आदतन बदमाशों पर बीएनएसएस की विभिन्न धाराओं में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई. इनमें 21 बदमाशों पर 170 बीएनएसएस, 6 पर 129 बीएनएसएस, 57 पर 126बी/135(3) बीएनएसएस और 2 पर 141(1)ख के तहत कार्रवाई की गई. पुलिस ने जिन 770 से अधिक बदमाशों की गतिविधियों पर नजर रखी, उनमें 284 गुंडे, 76 नकबजन, 33 लुटेरे, 124 चाकूबाज, 10 ड्रग पैडलर, 66 हिस्ट्रीशीटर, 136 निगरानीशुदा और 41 जिलाबदर/रासुका के तहत चिन्हित अपराधी शामिल हैं. इस दौरान महिला अपराधों में संलिप्त व वाहनों में तोड़फोड़ करने वाले आरोपियों को भी चिन्हित कर समझाइश दी गई. कई फरार आरोपी भी इस कार्रवाई में पुलिस की गिरफ्त में आए हैं, जिन पर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है. एडीशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह का कहना है कि चेकिंग के दौरान पकड़े गए बदमाशों से पुलिस ने डोजियर भरवाए और उन्हें दोबारा अपराध न करने की सख्त हिदायत दी. हर अपराधी को स्पष्ट किया है कि ऐसे अभियान आगे भी लगातार चलते रहेंगे ताकि शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे.

ऑटो की आड़ में कर रहा था गांजे की सप्लाई

इंदौर. नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान नशे से दूरी है जरूरी के तहत कनाडिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने एक ऑटो चालक को गांजे की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से 10 किलो 120 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी बाजार में कीमत एक लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है, पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है. 44 वर्षीय आरोपी अशोक चौधरी निवासी रामकृष्ण बाग कॉलोनी, खजराना ऑटो की आड़ में गांजा सप्लाई का नेटवर्क चला रहा था. उसे अहिल्या बावड़ी टीपीएस-5 रोड क्षेत्र से रंगे हाथों गिरफ्तार किया. मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने देर रात करीब 12.30 से 1.30 बजे के बीच एक पीले-हरे रंग के ऑटो को रोका. तलाशी के दौरान ऑटो की पिछली सीट पर एक बोरी में भरकर रखे गए अवैध गांजे की खेप बरामद हुई. पूछताछ में अशोक ने कबूल किया कि वह यह गांजा किसी पार्टी को सप्लाई करने आया था. फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर यह जानने की कोशिश कर रही है कि वह कहां-कहां गांजा सप्लाई करता था और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं. थाना प्रभारी निरीक्षक सहर्ष यादव का कहना है कि पुलिस आरोपी से गांजे की आपूर्ति से जुड़े अन्य नेटवर्क और सप्लायर्स की जानकारी जुटा रही है.

मोहल्लों तक पहुंचा नशा मुक्ति अभियान

इंदौर. पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर शहर में नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत पुलिस अब मोहल्लोंऔर कॉलोनियों में पहुंचकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों से जागरूक कर रही है, जिसके तहत थाना विजय नगर पुलिस ने प्रकाश चंद्र सेठी नगर में रहवासियों के साथ जन संवाद कर अभियान की शुरुआत की. मां शीतलेची धर्मशाला में आयोजित इस जनजागरूकता बैठक में करीब 80 से 90 स्थानीय निवासी मौजूद रहे. इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से बताया. साथ ही सभी उपस्थितों को नशा न करने और दूसरों को भी रोकने की शपथ दिलाई गई. कार्यक्रम में नशा करता है आदत खराब, मिलकर करो इसका बहिष्कार जैसे नारों के साथ नागरिकों ने पुलिस की इस पहल का समर्थन किया. रहवासियों ने इस अभियान की सराहना करते हुए विजय नगर थाना टीम का सम्मान भी किया. विजय नगर थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने बताया कि थाने की टीम के साथ मिलकर अभियान को आगे बढ़ाया. 30 जुलाई तक थाना क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित कर समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में काम किया जाएगा.

ब्रांडेड के नाम पर बेच रहे थे नकली चॉकलेट

पुलिस ने फैक्ट्री पर दी दबिश, किया सील

पारले-जी कंपनी की शिकायत पर कार्रवाई

बड़ी मात्रा में टॉफी, पैकिंग मटेरियल और लेबल्स जब्त

नव भारत न्यूज

इंदौर. मशहूर बिस्किट और कन्फेक्शनरी ब्रांड पारले-जी की मेलोडी टॉफी के नाम से मिलती-जुलती नकली चॉकलेट तैयार करने वाली एक फैक्ट्री पर पुलिस ने छापा मारा है. राऊ इंडस्ट्रियल एरिया में संचालित इस यूनिट से बड़ी मात्रा में नकली टॉफी, पैकिंग मटेरियल और मीडेडी नाम से प्रिंट लेबल्स बरामद किए गए हैं. पुलिस ने फैक्ट्री को सील कर दिया है और कॉपीराइट एक्ट व ट्रेडमार्क उल्लंघन की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया.

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कंपनी को लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि ग्राहक 'मेलोडी' समझकर बाजार से ऐसी टॉफियां खरीद रहे हैं, जिनका पैक और नाम हूबहू मेल खाते हैं, लेकिन असली नहीं हैं.

जांच में सामने आया कि मीडेडी नाम से टॉफी बनाकर बाजार में बेची जा रही है. इस पर पारले फूड प्रोडक्ट प्रा.लि. ने दिल्ली के वाणिज्यिक न्यायालय में नवकार एसोसिएट्स के माध्यम से वाद दायर किया. कोर्ट ने कंपनी के लीगल एडवायजर्स नम्रता जैन और विजय सोनी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई की अनुमति दी. दोनों वकील राऊ थाने पहुंचे और पुलिस को साथ लेकर राऊ इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मंगलश्री फूड प्रोडक्ट फैक्ट्री पर दबिश दी. यहां से नकली टॉफियां, उनके पैकिंग लेबल्स और निर्माण में उपयोग हो रहे कच्चे माल की बड़ी खेप जब्त की गई.

मीडेडी और मैडोडी के पैर मिले

फैक्ट्री में 'मीडेडी और 'मैड़ोडी' नाम के पैक और रैपर तैयार किए जा रहे थे, जो पारले की मेलोडी ब्रांड की हूबहू नकल थे. पुलिस ने इसे ट्रेडमार्क और कॉपीराइट अधिनियम के तहत गंभीर उल्लंघन मानते हुए प्रकरण दर्ज किया है. दिल्ली कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मेडे टॉफी नाम से किसी भी प्रकार का निर्माण, प्रचार, स्टॉकिंग, बिक्री या विज्ञापन करना कानून का उल्लंघन होगा. पुलिस ने फैक्ट्री परिसर को सील कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है.

ट्रक में पीछे से टकराई चलती बस ड्राइवर और महिला यात्री घायल

- इंदौर-पुणे इंटरसिटी वॉल्वो बस टिही के पास हादसे का शिकार
- आग लगने से मची भगदड़, हाईवे कुछ देर के लिए रहा बंद

इंदौर. रविवार रात लगभग 8 बजे किशनगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत टिही गांव के समीप एबी रोड हाईवे पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया. इंदौर से पुणे जा रही इंटरसिटी वॉल्वो बस सामने चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी, जिसके बाद बस में आग लग गई. हादसे में बस ड्राइवर और एक महिला यात्री घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा.

बस में करीब 35 से 40 यात्री सवार थे, जिन्हें समय रहते बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई. दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर दोनों ओर का ट्रैफिक रोक दिया था. मौके पर किशनगंज पुलिस, यातायात विभाग और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और आग पर काबू पाया. राहत कार्य पूरा होने के बाद रात करीब 9.30 बजे हाईवे पर यातायात पुन: शुरू कर दिया. हादसा उस वक्त हुआ जब बस हाईवे पर तेज गति से चल रही थी और सामने चल रहे ट्रक की रफ्तार अचानक धीमी हो गई. ड्राइवर बस को नियंत्रित नहीं कर सका और पीछे से टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इंजन में आग लग गई, जिससे बस के अंदर धुआं भर गया और यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. मामले में एएसपी रुपेश दिवेदी ने बताया कि पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और ट्रक ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है. वहीं, बस यात्रियों को दूसरे वाहन से गंतव्य की ओर रवाना कर दिया है.

राष्ट्रधर्म सर्वोपरि होना चाहिए

इंदौर. भारत भूमि वह आदर्श और पावन भूमि हैं, जहां राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अनेक महापुरुषों ने अपना सब कुछ तो अर्पण किया ही, स्वयं को भी न्यौछावर करने में पीछे नहीं रहे. भारत की गौरवगाथा सुनकर हमारी युवा और किशोर पीढ़ी को समझना होगा कि राष्ट्र सर्वोपरि होता है. भारत जैसी यशोगाथा शायद ही दुनिया में किसी ओर देश की होगी.

ये विचार हैं युवा हृदय सम्राट जैनाचार्य विश्वरत्नसागर के, जो उन्होंने अर्बुद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट पीपली बाजार जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ एवं नवरत्न परिवार इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में नरसिंह वाटिका स्थित नवरत्न वाटिका में चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान में 'महापुरुषों की महागाथा' पर आधारित विशेष कार्यक्रम में मौजूद जन सैलाब को संबोधित करते हुए व्यक्त किए. यह पहला अवसर था, जब महागाथा के साथ श्रावकों ने उनका नाट्य मंचन भी किया और प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. ने उन महापुरुषों की गौरव गाथा भी बताई. गणिवर्य कीर्तिरत्नसागर एवं मुनि प्रवर उत्तमरत्न सागर ने भी इस महागाथा की पृष्ठभूमि बताई.

ग्रीटिंग कार्ड में दिखाया मातृशक्ति को

ग्रीटिंग कार्ड एवं चित्रकला बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन

इंदौर. ग्रीटिंग कार्ड पर जब देवी अहिल्याबाई के राजवाड़ा की ग्रीटिंग जानवी वानखेड़े ने बनाई तो महसूस हुआ कि हम सब इंदौर वासी एवं अहिल्या उत्सव समिति के कार्यकर्ता कितने भाग्यशाली हैं कि उनके 230वे पुण्य स्मरण पर उन्हें इस उत्सव के माध्यम से याद कर रहे हैं. अहिल्या उत्सव समिति तिथि के अनुरूप उनका पुण्यस्मरण समारोह 22 अगस्त को गांधी हाल पर करेगी.

अहिल्या उत्सव समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक डागा, सचिव शरयु वाघमारे एवं सुधीर देडगे ने बताया कि आज आरके डागा एकेडमी छत्रीबाग में स्थित बनवारी लाल जाजू सभागृह में ग्रीटिंग कार्ड बनाओ प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. वंदे मातरम एवं अहिल्या माता की जय के नारों के बीच में बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड बनाना शुरू किया लगभग 15 स्कूल के 300 बच्चों ने चित्रकला एवं लगभग 250 बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड में भाग लिया.

रागिनी थडानी ने मातृशक्ति को दर्शाते हुए ग्रीटिंग कार्ड बनाया, वहीं याशिका मांडके ने चित्रकला में उगते हुए सूरज को दर्शा कर नए सवेरे की बात कही. वहीं बच्चों ने नारद ,गणेश, ऋषि ,मुनि नगर निगम का स्वच्छता अभियान, आसमान के तारे आदि की पेंटिंग एवं ग्रीटिंग कार्ड बनाएं.

इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्रेया भार्गव एवं भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने दीप प्रज्वलन कर की. अतिथियों का स्वागत प्रतीक तागड, बलवंत चौहान, लोकेंद्र वर्मा, अविनाश भांड अदिति डागा ने किया. ग्रीटिंग कार्ड एवं चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक सपना कठकर, आलोक शर्मा, डॉक्टर सोनाली चौहान, नागेश शर्मा, ईशानी जैन शर्मा, श्रुतिका गोण कलमकर थी.

पेड़ पर दिल बनाकर पर्यावरण बचाने संदेश

मेरी कल्पना का कोई चित्र पर आयोजित ड्राइंग एंड पेंटिंग प्रतियोगिता तीसरी से सातवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए रखी गई थी. किसी ने पेड़ पर पर्यावरण का दिल बनाया और किसी ने चारों तरफ पशु पक्षी एवं हरियाली का चित्र बनाया. पृथ्वी को बचाने का संदेश देते हुए पेड़ पौधे बनाकर फैक्ट्री धुंआ इत्यादि से पर्यावरण के नुकसान को बचाने का चित्र भी बच्चों ने बनाया

बच्चों में बीमारी, विकलांगता व मृत्यु का कारण अब भी संक्रमण

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की आईडी चैप्टर की नेशनल कांफ्रेंस आईडीकॉन

इंदौर। आज हम जीनोमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक विषयों की बात कर रहे हैं, लेकिन भारत में बच्चों में बीमारी, विकलांगता और मृत्यु का सबसे सामान्य कारण अब भी संक्रमण और संक्रामक रोग ही हैं इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि ऐसे कांफ्रेंस नियमित रूप से आयोजित की जाएँ जो संक्रामक रोगों पर केंद्रित हों, ताकि प्रैक्टिस कर रहे डॉक्टर्स और पीजी स्टूडेंट्स को सही दिशा मिलती रहे.

यह बात आईएपी अध्यक्ष डॉ नीलम मोहन ने आई डी चेप्टर की मध्यप्रदेश इकाई द्वारा विषय पर आयोजित जोनल कॉन्फ्रेंस आईडीकॉन के दौरान कही. उन्होंने बताया आईएपी का प्रभार संभालने के बाद मध्य प्रदेश हमारा टार्गेट होगा जहां की व्यवस्थाओं पे एक जुट होके ग्राउंड लेवल पर काम करना होगा. पिछले पांच वर्षों में प्रदेश में बहुत काम हुआ है लेकिन इसके बावजूद यहां पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर भारत में सबसे अधिक दरों में से एक है. प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 56 की मृत्यु हो रही है जबकि राष्ट्रीय आंकड़ा 37 बच्चों का ही है. इसी तरह नवजात शिशु मृत्यु दर भी देश में सबसे अधिक मध्य प्रदेश मे ही देखी जा रही है. इस के कारण में संक्रमण सबसे बड़ी वजह है जिसमें न्यूमोनिया, सेप्सिस और डायरिया प्रमुख है। यह संक्रमण 35-45% तक पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मौतों के सबसे बड़ा कारण है.

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी

ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. के. के. अरोरा हालांकि इंदौर और भोपाल जैसे बड़े शहरों में सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु ग्रामीण और जरूरतमंद क्षेत्रों में अभी भी बहुत काम बाकी है. टीकारण को लेकर भी बहुत जागरूकता आई है लेकिन अभी भी लोगों को इसका महत्व समझना पड़ता है. हर डेढ़ लाख बच्चों पर सिर्फ एक बाल रोग विशेषज्ञ है इस तरह की. कांफ्रेंस के माध्यम से हम हेल्थ सेक्टर के लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास कर रहे हैं. ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. पी. जी. वालवेकर ने कहा बच्चों के स्वास्थ्य और संक्रामक रोगों पर विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण कांफ्रेंस में कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया. ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ सुनील आर्य, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी एवं ऑर्गेनाइजिंग ट्रेजरार डॉ उज्जवल उकई भी उपस्थित थे.

टीकाकरण में गिरावट और खतरनाक परिणाम

इनफेक्शियस डिजीज चैप्टर ऑफ इंडिया आईएपी के नेशन चेयरपर्सन डॉ. भास्कर शेनॉय ने कहा पिछले एक दशक में, और खासकर कोविड के बाद के पाँच वर्षों में, पब्लिक हेल्थकेयर सेक्टर में बुनियादी ढांचे में काफी सुधार हुआ है लेकिन कोविड-19 के दौरान लाखों बच्चों को समय पर टीके नहीं मिल पाए. इसका परिणाम है खसरे व अन्य बीमारियों का फिर से फैलना. निमोनिया, एंसेफेलाइटिस (दिमाग की सूजन), दृष्टि दोष, कान, मूत्र संक्रमण, इनका इलाज समय पर न हो तो यह मृत्यु का कारण बन सकता है. इसलिए सभी बाल चिकित्सकों और अभिभावकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को समय पर यह टीका जरूर मिले.

जय महेश कावड़ यात्रा में गूंजे जयकारे

इंदौर. संस्था माहेश्वरी कुटुम्ब की मेजबानी में गुमाश्ता नगर स्थित मुकुट मांगलिक भवन से रविवार को सुबह निकली परंपरागत भव्य और दिव्य 'जय महेश कावड़ यात्रा' ने समूचे मार्ग को भोले बाबा की भक्ति के रंग में भिगोए रखा. कावड़ यात्रा की कमान इस बार पूरी तरह मातृशक्ति ने संभाली. बोल बम और हर-हर महादेव के उदघोष से समूचा क्षेत्र गूंज उठा .यात्रा के समापन पर सभी श्रद्धालुओं और बिल्वपत्र एवं तुलसी के पौधे भी भेंट किए गए.

राज्य के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक मालिनी लक्ष्मणसिंह गौड़ पार्षद जीतू राठौर सहित अनेक पार्षदों ने भी कावड़ उठाकर जय महेश के शंखनाद में अपना सुर भी मिलाया. संस्था माहेश्वरी कुटुम्ब के प्रमुख शारदा प्रकाश अजमेरा ने बताया कि गुमाश्ता नगर स्थित मुकुट मांगलिक भवन से प्रारंभ हुई यात्रा नरेन्द्र तिवारी मार्ग, अन्नपूर्णा रोड, एक्सिस बैंक, उषा नगर, रणजीत हनुमान, नाकोड़ा चौक होते हुए गुमाश्ता नगर स्थित शिव मंदिर पहुंची, जहां सभी श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर उनसे समाज, शहर एवं देश-प्रदेश में सुख, शांति एवं सदभाव की प्रार्थना की. इस अवसर पर आयोजित आरती में पुष्प माहेश्वरी, रामस्वरूप धूत, घनश्याम काकाणी, लक्ष्मण माहेश्वरी, अजय झंवर, राजेन्द्र ईनानी, मनोज छापरवाल, श्रीमोहन सोमानी, श्याम भांगड़िया, रूपेश भूतड़ा, आशीष बाहेती, गोपाल राठी, संतोष साबू, जयकिशन डागा, नीलेश सारडा सहित सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया. मातृशक्ति में शारदा अजमेरा के साथ डॉ. दीप्ति माहेश्वरी, गीता माहेश्वरी, रेखा काकाणी, भावना बाहेती किरण छापरवाल, मनीषा डागा, सहित सैकड़ों महिलाओं ने कावड़ यात्रा का संचालन बखूबी संभाला. कावड़ यात्रा में हमेशा की तरह विधायक मालिनी गौड़ भी शामिल हुई और उन्होंने भी समाजबंधुओं का अभिवादन किया। वार्ड 83 के पार्षद जीतू राठौर भी पूरे समय यात्रा में शामिल रहे।

जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम करें : धैर्य प्रभा

इंदौर. जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम व बधाओं को पार करने में असहनीय दु:ख सहन कर लेंगे तो लक्ष्य प्राप्ति के निकट पहुंच सकेंगे. आवश्यकता से ज्यादा खुशी या सुख भी मृत्यु का कारण बन जाता है. अगर आज आपके पास धर्म करने के लिए समय नहीं है तो वह दिन भी आएगा जब धर्म के पास भी आपकी रक्षा के लिए समय नहीं होगा, इंसान के जीवन में कर्म प्रधान होते हैं. माता सीता के वनवास समाप्ति के बाद राज भवन में लौटने के बाद भी उनके कर्मों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा.

यह बात रविवार को श्वेतांबर जैन संत दिवाकर मुनि जी शिष्या पूज्य धैर्य प्रभा श्री जी मसा ने मालगंज के पास जंगमपुरा स्थित श्री श्वेतांबर जैन पदमावती पोरवाल संघ भवन में साधकों ओर समाज जनों के मध्य व्यक्त किए. यह निर्मित दिवाकर दरबार में विजय नगर (कर्नाटक) में पूर्व हुए घटना क्रम का उल्लेख करते कहा कि जैन संतों ने घोर यातनाएं सहकर भी जिनशासन की रक्षा क. संघ अध्यक्ष विनोद जैन, मंत्री कमल जैन, प्रचार प्रमुख मुकेश जैन ने बताया कि साध्वी धैर्य प्रभा जी के साथ यहाँ धृतिप्रभा (सीतू) जी, धीरप्रभा जी, धार्मिकप्रभा जी व धार्वी प्रभा श्री जी ने भी सम्बोधित किया. इन सभी कि निश्रा में प्रतिदिन जप तप की क्रियाओं का संचालन किया जा रहा है. प्रवचन प्रतिदिन सुबह 9 से 10 बजे तक हो रहे हैं. धर्म सभा में बाबूलाल जैन, चौथमल जैन, पारस जैन, छगन लाल जैन, मोहन जैन, राजेश जैन, ओमप्रकाश जैन आदि उपस्थित थे.

एक नजर में | इंदौर में आयोजित हुआ 'आंत्रप्रेन्योर्स एआई समिट 2025

एआई को केवल जानना काफी नहीं, अपनाना भी जरूरी

इंदौर. टाई एमपी द्वारा आयोजित आंत्रप्रेन्योर्स एआई समिट 2025 रैडिसन ब्लू होटल में संपन्न हुई समिट में इंदौर समेत प्रदेशभर के सैकड़ों व्यवसायियों, स्टार्टअप संस्थापकों, एमएसएमईज़ और प्रोफेशनल्स ने भाग लिया और जाना कि किस प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ भविष्य की बात नहीं, बल्कि वर्तमान में व्यापार को बदलने का सशक्त माध्यम बन चुका है.

समिट की शुरुआत आंत्रप्रेन्योर संजीव जैन के ओपनिंग कीनोट एड्रेस से हुई जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे वे 8 कंपनियों को टेक्नोलॉजी की मदद से करोड़ों के सालाना राजस्व के साथ सफलतापूर्वक चला रहे हैं—बिना किसी भारी-भरकम टीम या जटिल सिस्टम्स के. समिट में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए अपने ओपनिंग सेशन ट्रांसफॉर्मिंग बिज़नेसिज़ इन द एज ऑफ इंटेलिजेंस में उन्होंने बताया कि आज के दौर में एआई जानना काफी नहीं है.

जो एआई को लागू करेगा, वही बचेगा और आगे बढ़ेगा. संजीव जैन ने बताया एआई अब सिर्फ़ एक तकनीक नहीं बल्कि व्यवसायों के लिए एक रणनीतिक लाभ बन चुका है. न्होंने आगे बताया कि एआई फॉर ऑपरेशंस एंड एफिशिएंसी व्यवसायों की लागत को घटाने और उत्पादकता को दोगुना करने में मदद कर रहा हैय समिट के अंतिम सेशन क्रिएटिंग योर एआई रोडमैप में उन्होंने एक प्रैक्टिकल वर्कशॉप आयोजित की, जहां हर प्रतिभागी ने अपने व्यवसाय के लिए एक व्यक्तिगत एआई इंटीग्रेशन रोडमैप तैयार किया. टाई मप्र के अध्यक्ष सावन लड्ढा ने कहा एआई कोई भविष्य नहीं है, यह वर्तमान है. जो व्यवसाय इसे आज अपनाएंगे, वही कल की दुनिया में लीडर बनेंगे. हमारा उद्देश्य है कि इंदौर और मध्य प्रदेश के उद्यमियों को इस परिवर्तन के लिए तैयार किया जाए। टाई एमपी इस दिशा में लगातार ऐसे प्लेटफ़ॉर्म तैयार कर रहा है जो नॉलेज शेयरिंग और नेटवर्किंग के साथ-साथ व्यावहारिक समाधान भी प्रदान करें.

कमाई बढ़ाने का तेज रास्ता

सुजीत भट्टाचार्जी, जो देश के अग्रणी एचआईर ट्रांसफार्मेशन एक्सपर्ट और एक सफल आंत्रप्रेन्योर हैं, ने अपने सेशन में बताया कि मानव संसाधन में निर्णय प्रक्रिया को डेटा-आधारित और पूर्वानुमानित बनाता है. यह सिर्फ समय ही नहीं बचाता, बल्कि बेहतर प्रतिभा को सही समय पर जोड़ने में भी मदद करता है.अर्पित अरोड़ा, एक प्रसिद्ध एआई मोनेटाइज़ेशन कोच और बिज़नेस मेंटर ने अपने सत्र में बताया कि एआई सिर्फ उत्पादकता बढ़ाने का नहीं, बल्कि कमाई बढ़ाने का भी सबसे तेज़ रास्ता है.